यकृत वृद्धि

हिपेटाइटिस

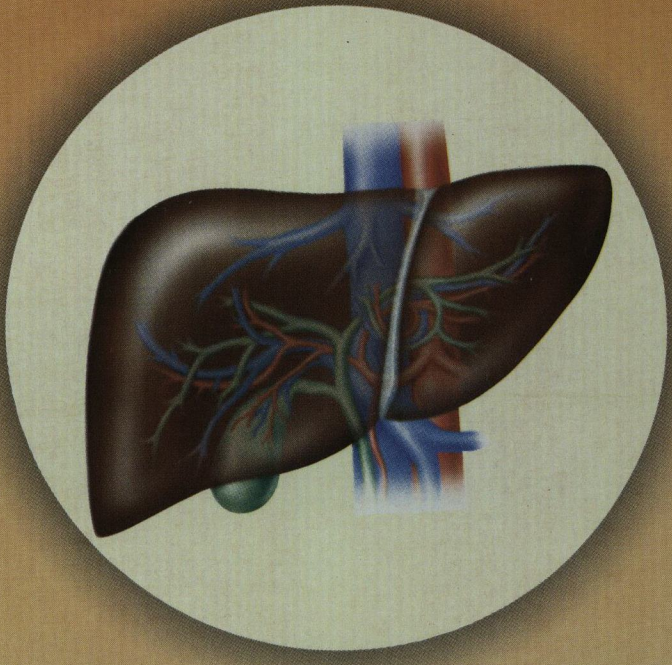

केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद्
आयुष मंत्रालय
(आयुर्वेद, योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध एवं होम्योपैथी)
भारत सरकार

आयुर्वेदानुसार रक्त और कफ का दूषण यकृत वृद्धि का कारण है। हिपेटाइटिस यकृत शोथ की एक अवस्था है?

निदान (इटीओलोजी)

इसके क्या कारण हैं?

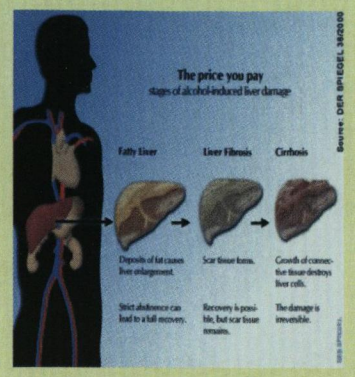

- इसका प्रमुख कारण आहार और जीवन शैली का गलत अभ्यास है।
- अहितकर, सुखे, बासी और अधिक मसालेदार आहार का सेवन एवं अत्यधिक मद्य का निरंतर प्रयोग।
- संक्रमण (विषाणु– हिप,ए,बी,सी,डी,ई)
- कतिपय औषधियों का अनुचित प्रयोग।

इसके लक्षण क्या हैं?

- उदरशूल
- उदराध्मान/आध्मान
- उदर में भारीपन
- क्षुधानाश
- थकावट
- पाण्डु
- प्यास
- कामला/जॉन्डिस

आयुर्वेदिय उपचार

पंचकर्म–शोधन चिकित्सा
कुछ महत्वपूर्ण औषधियाँ जैसे

कटुकी -*Picrorhiza kurrpa*
भुम्यामलकी -*Phyllanthus amarus*
पुनर्नवासव
आरोग्य वर्धनी वटी

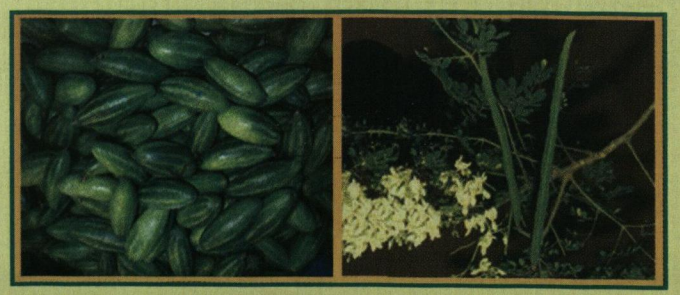

पथ्य (क्या करें) ✓

शालि चावल, यव, मूंगदाल,
गाय का दूध, छाछ, अदरक,
लहसुन, पुनर्नवा, शिग्रु पत्र,
ताम्बुल ये सभी लाभदायक हैं

फल जैसे :–
आवला, अनार, अंगूर, पपीता, संतरा, नींबू इत्यादि

अपथ्य (क्या न करें) X

- X उच्च वसा युक्त पदार्थ, गुरूभोजन
- X भोजन जिसमें पेस्टिसाइड हो।
- X मद्य का अत्यधिक उपभोग।
- X अत्यधिक व्यायाम
- X दिवनिद्रा

सी.सी.आर.ए.एस. का योगदान

निदानचिकित्सात्मक अध्ययन

- आरोग्यवर्धनी वटी और पुनर्नवामण्डूर का मिश्रण
- कटुक्यादि योग
- कुमार्यासव